

चार धाम यात्रा स्थगति

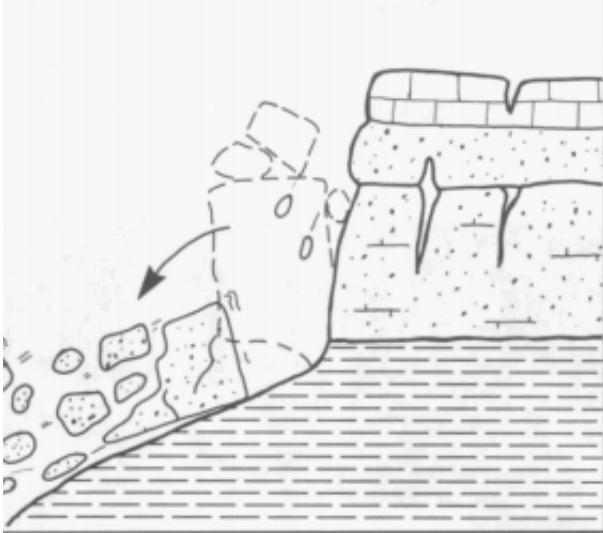
चर्चा में क्यों?

[कषेत्तीय मौसम वजिज्ञान केंद्र](#) द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी के कारण [चार धाम यात्रा](#) दो दिनों के लिये अस्थायी रूप से रोक दी गई है।

मुख्य बदि

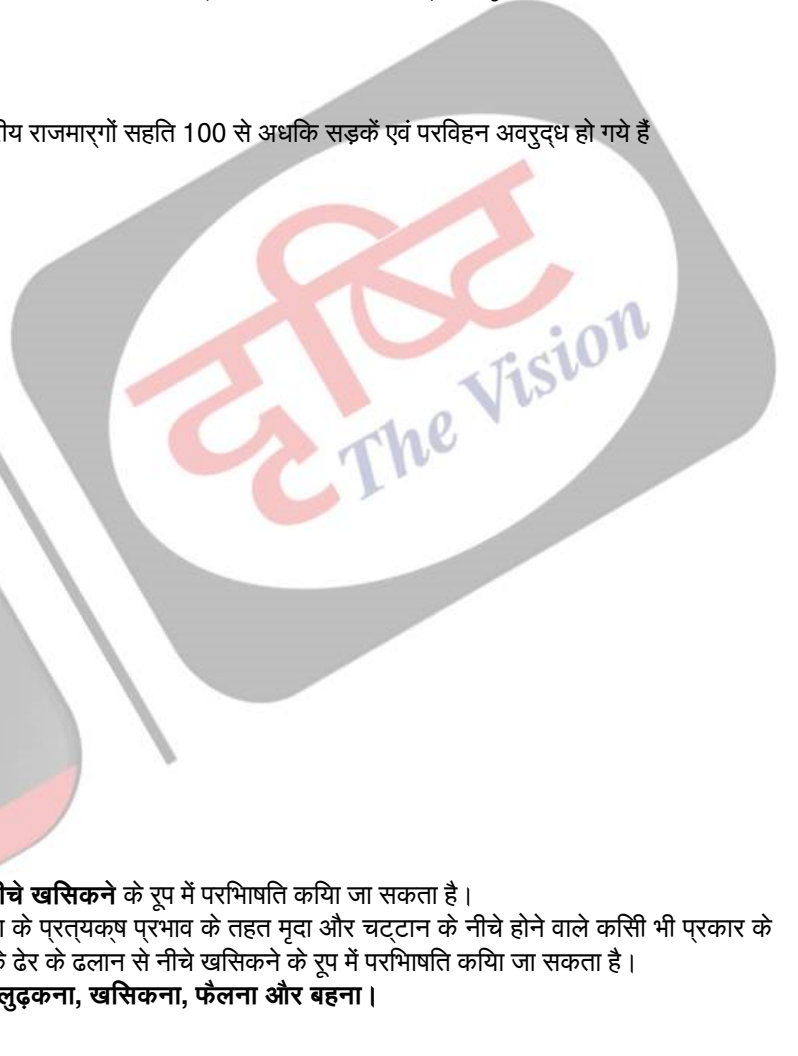
- भारी बारिश के कारण [भू-स्खलन](#) हुआ है, जिससे प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 100 से अधिक सड़कें एवं परिवहन अवरुद्ध हो गये हैं

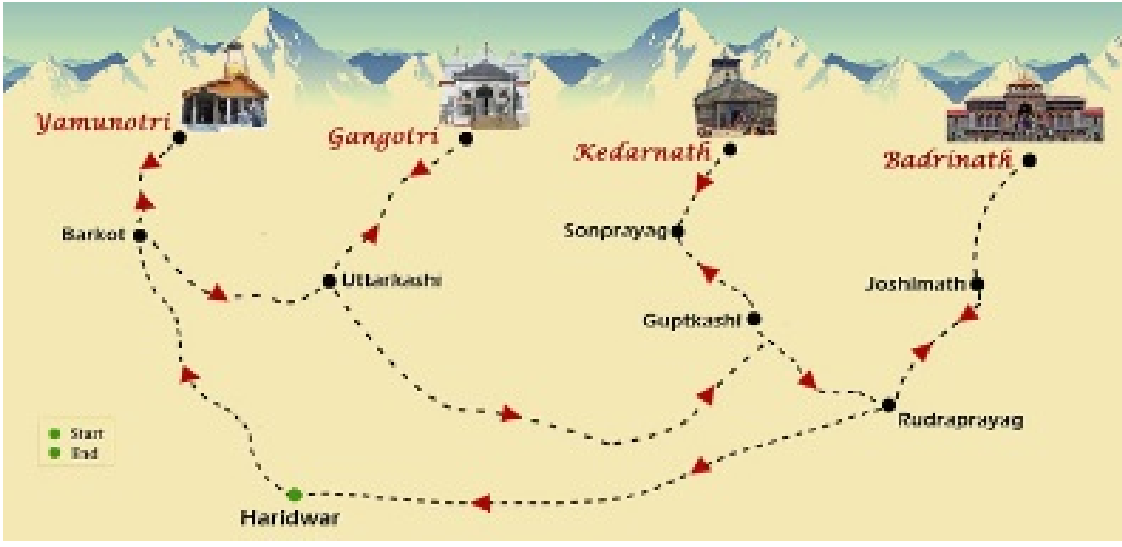
भू-स्खलन



- भू-स्खलन को चट्टान, मलबे या मृदा के ढेर को ढलान से नीचे खसिकने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- भू-स्खलन एक प्रकार का मास वेस्टिंग है, जो गुरुत्वाकर्षण के प्रत्यक्ष प्रभाव के तहत मृदा और चट्टान के नीचे होने वाले किसी भी प्रकार के संचलन को दर्शाता है। भूस्खलन को चट्टान, मलबे या मृदा के ढेर के ढलान से नीचे खसिकने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- भू-स्खलन में ढलान की पाँच गतिविधियाँ शामिल हैं: गरिना, लुढ़कना, खसिकना, फँसना और बहना।

चार धाम यात्रा





- **यमुनोत्री धाम:**
 - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला ।
 - **समर्पति:** देवी यमुना ।
 - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है ।
- **गंगोत्री धाम:**
 - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला ।
 - **समर्पति:** देवी गंगा ।
 - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है ।
- **केदारनाथ धाम:**
 - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला ।
 - **समर्पति:** भगवान शिव ।
 - **मंदाकनी नदी** के तट पर स्थित है ।
 - भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक ।
- **बद्रीनाथ धाम:**
 - **स्थान:** चमोली ज़िला ।
 - पवित्र **बद्रीनारायण मंदिर** का स्थान ।
 - **समर्पति:** भगवान वृषिणु ।
 - **वैष्णवों** के पवित्र तीर्थस्थलों में से

